व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि

खाद्य प्रसंस्करण - हल्दी पाउडर

के लिए

स्वयं सहायता समूह -चौपाटी महादेव

एसएचजी/सीआईजी नाम	चौपाटी महादेव
वीएफडीएस नाम	चौपाटी महादेव (भोडा खास)
वन रेंज	डरोह
वन मण्डल	पालमपुर

के तहत तैयार

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार के लिए परियोजना (JICA सहायता प्राप्त)

एसएचजी : चौपाटी महादेव **वीएफडीएस** : चौपाटी महादेव (भोडा खास) **वन रेंज:** डरोह **वन मण्डल** : पालमपुर।

विषयसूची

क्र.सं	विवरण	पृष्ठ सं।
1.	परिचय	3
2.	विवरणएसएचजी/सीआईजी की	3
3.	लाभार्थियों का विवरण	4
4.	भौगोलिक गांव का विवरण	5
5.	कार्यकारी सारांश	5
6.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	6
7.	उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण	6-8
8.	उत्पादन योजना	8-9
9.	बिक्री और विपणन का विवरण	9
10.	स्वोट अनालिसिस	10
11।	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	10-11
12.	अर्थशास्त्र का विवरण	11-12
13.	लागत लाभ विश्लेषण(प्रति माह)	12
14.	फंड की आवश्यकता	13
15.	निधि के स्रोत	14
16.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	14
17.	सम-विच्छेद बिंदु की गणना	14
18.	बैंक ऋण चुकौती	14
19.	निगरानी विधि	15
20.	टिप्पणियां	15
21.	समूह के सदस्य की व्यक्तिगत तस्वीरें	16
22.	समूह चित्र	17
23.	संकल्प-सह समूह सहमति प्रपत्र	18
24.	VFDS और DMU द्वारा व्यावसायिक स्वीकृति	19

एसएचजी : चौपाटी महादेव **वीएफडीएस** : चौपाटी महादेव (भोडा खास) **वन रेंज:** डरोह **वन मण्डल** : पालमपुर।

1. परिचय-

चौपाटी महादेव स्वयं सहायता समूह 16-09-2022 को ,हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार के लिए परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त) के तहत बना है, जो चौपाटी महादेव (भोडा खास) वीएफडीएस और रेंज डरोह के अंतर्गत आता है। इस एसएचजी में 20 महिला शामिल हैं और उन्होंने सामूहिक रूप से हल्दी पाउडर तैयार करने का फैसला किया है । इन महिलाओं को पहले से ही हल्दी उगाने का अनुभव था और अब इस परियोजना की मदद से फंडिंग, प्रशिक्षण और सहायता मिल रही है। वे कच्ची हल्दी को कम कीमत पर बेचने के बजाय हल्दी पाउडर को बाजार में एक उत्पाद के रूप में बेच सकेंगे।

हल्दी सबसे पुरानी खेती वाली फसलों में से एक है जो भारत में कई हजार वर्षों से उगाई जा रही है। हल्दी, भारतीय व्यंजनों में मुख्य मसाला पाउडर है। हल्दी पारंपरिक रूप से अपनी पाक कला और औषधि के लिए जानी जाती है। यह बहु-उपयोगी उत्पादों में से एक है जिसमें कई मूल्यवान गुण और उपयोग हैं। यह बड़े पैमाने पर भोजन, कपड़ा, दवा और कॉस्मेटिक उद्योगों में उपयोग किया जाता है।

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी का नाम	चौपाटी महादेव
2.	वीएफडीएस	चौपाटी महादेव (भोडा खास)
3.	वन रेंज:	डरोह
4.	वन मण्डल	पालमपुर
5.	गाँव	भोड़ा
6.	अवरोध पैदा करना	भेडू महादेव
7.	ज़िला	कांगड़ा
8.	कुल संख्या एसएचजी में सदस्यों की	20
9.	गठन की तिथि	16-09-2022
10.	बैंक खाता सं.	1541000102118505
11।	बैंक विवरण	पीएनबीडरोह
12.	SHG/CIG मासिक बचत	1000 (प्रति व्यक्ति 50)
13.	कुल बचत	2000
14.	कुल अंतर ऋण	-
15.	नकद ऋण सीमा	-
16.	चुकौती की स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्र.सं	नाम	महिला/पुरुष	पिता/ पति का नाम	श्रेणी	पद	संपर्क नंबर।
1	उर्मिला देवी	महिला	मनोहर लाल	सामान्य	अध्यक्ष	78078 - 21735
2	आशा देवी	महिला	अशोक कुमार	सामान्य	सचिव	80948 - 05651
3	सुभद्रा देवी	महिला	देश राज	सामान्य	सदस्य	98163 - 99829
4	इंद्रा देवी	महिला	सागर चंद	सामान्य	सदस्य	86269 - 80289
5	मीना देवी	महिला	कपूर सिंह	सामान्य	सदस्य	86270 - 85739
6	अंजू देवी	महिला	संजीव सिंह	सामान्य	सदस्य	98051 - 18433
7	वीना देवी	महिला	शमशेर सिंह	सामान्य	सदस्य	700920473
8	नीलमा देवी	महिला	सुनील कुमार	सामान्य	सदस्य	98162 - 98804
9	रीतिका देवी	महिला	राजिंदर	सामान्य	सदस्य	7807007905
10	पवना देवी	महिला	कन्हैया लाल	सामान्य	सदस्य	94597 - 15485
11	रक्षा कुमार	महिला	पंजाब सिंह	सामान्य	सदस्य	9816766492
12	उमा देवी	महिला	मुंशी चंद	सामान्य	सदस्य	88940 - 64155
13	चंचला देवी	महिला	मनोज कुमार	सामान्य	सदस्य	95408 - 98504
14	सुरिंद्र	महिला	जसवंत सिंह	सामान्य	सदस्य	88941 - 60328
15	मीना	महिला	विपन कुमार	सामान्य	सदस्य	98053 - 13593
16	मुझेएना	महिला	करतार सिंह	सामान्य	सदस्य	-
17	सुदेर्धना देवी	महिला	राकेश कुमार	सामान्य	सदस्य	98059 - 06250
18	शिक्षा देवी	महिला	जसबीर सिंह	सामान्य	सदस्य	85806 - 95071
19	पूर्णिमा	महिला	जनम सिंह	सामान्य	सदस्य	-
20	वीना देवी	महिला	रुस्तम सिंह	सामान्य	सदस्य	94181 - 66689

एसएचजी : चौपाटी महादेव **वीएफडीएस** : चौपाटी महादेव (भोडा खास) **वन रेंज**: डरोह **वन मण्डल** : पालमपुर।

4. गाँव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	कांगड़ा - 57 किमी
2	मेन रोड से दूरी	8 कि.मी
3	स्थानीय बाजार और दूरी का नाम	भवरना और 16 कि.मी डरोह और 10 कि.मी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	भवरना और 16 कि.मी
5	मुख्य शहरों के नाम और दूरी	पालमपुर - 28 कि.मी
6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणित किया जाएगा	पालमपुर - 28 कि.मी

5. कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा खाद्य प्रसंस्करण (हल्दी पाउडर) आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह IGA इस SHG की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। सबसे पहले इसी समूह द्वारा हल्दी का पाउडर बनाया जायेगा। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा वार्षिक रूप से की जाएगी। पाउडर बनाने की प्रक्रिया में करीब 8-10 दिन का समय लगता है। उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, सुखाने, ग्रेडिंग, पीसने आदि की प्रक्रिया शामिल है। शुरुआत में समूह कच्ची हल्दी के पाउडर का निर्माण करेगा लेकिन भविष्य में समूह अन्य उत्पादों का निर्माण करेगा जो समान प्रक्रिया का पालन करेंगे। उत्पाद सीधे समूह द्वारा या अप्रत्यक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और निकट बाजार के थोक विक्रेताओं के माध्यम से शुरू में बेचा जाएगा।

6. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	हल्दी पाउडर
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है
3	SHG/CIG/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

7. उत्पादन प्रक्रियाएं-

❖ **कटाई-**

- ✧ किस्म के आधार पर फसल 7-9 महीनों में कटाई के लिए तैयार हो जाती है। अगेती किस्में 7-8 महीनों में, मध्यम किस्में 8-9 महीनों में और पछेती किस्में 9 महीनों में पक जाती हैं।
- ✧ परिपक्व होने पर, पत्तियाँ सूख जाती हैं और हल्के भूरे से पीले रंग की हो जाती हैं।
- ✧ जमीन की जुताई की जाती है और राइजोम को हाथ से उठाकर इकट्ठा किया जाता है या गुच्छों को कुदाल से सावधानी से उठाया जाता है।
- ✧ काटे गए प्रकन्दों को मिट्टी और उन पर लगे अन्य बाहरी पदार्थों से मुक्त कर दिया जाता है।
- ✧ उँगलियाँ माँ प्रकंद से अलग हो जाती हैं। मदर राइजोम को आमतौर पर बीज सामग्री के रूप में रखा जाता है।

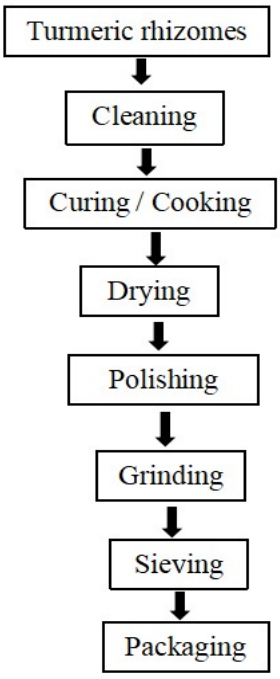

❖ प्रसंस्करण-

✧ पसीना आना

हल्दी को जमीन से खोदने के बाद, पत्तियों को पौधे से अलग कर दिया जाता है और सभी अशुद्धियों को दूर करने के लिए जड़ों को सावधानी से धोया जाता है। पत्ती के छिलके और लंबी जड़ों को काट दिया जाता है और प्रकंदों और शाखाओं को अलग कर दिया जाता है और पत्तियों में ढक दिया जाता है और फिर पसीने के लिए एक दिन के लिए रखा जाता है।

✧ इलाज

हल्दी का सूखा रूप प्राप्त करने के लिए इसे ठीक किया जाता है। इसे धोने के बाद, प्रकंदों को पानी में उबाला जाता है और धूप में सुखाया जाता है। उबलने की प्रक्रिया 45-60 मिनट तक चलती है जब तक कि प्रकंद नरम न हो जाए। उबलना आमतौर पर बंद हो जाता है जब सफेद धुएं दिखाई देते हैं जो एक विशिष्ट गंध देते हैं। जिस चरण पर उबलना बंद हो जाता है, यह अंतिम उत्पाद के रंग और सुगंध को अत्यधिक प्रभावित करता है।

✧ सुखाने

हल्दी को ठीक करने के बाद अगला चरण सुखाना है। सुखाने के लिए फर्श या बांस की चटाइयों का उपयोग करके हल्दी की 5-7 सेमी मोटी परत को धूप में सुखाने के लिए फैला दिया जाता है। ठीक से सूखने में लगभग 10-15 दिन लगते हैं। रात में हल्दी को एक ऐसे पदार्थ से ढक दिया जाता है जो वातन प्रदान करता है।

✧ चमकाने

सूखने के बाद, इसकी बाहरी सतह शल्कों और जड़ों के दंशों के साथ एक खुरदरी सुस्त बाहरी सतह होती है। चमकाने से, उपस्थिति में सुधार होता है और इसके लिए मूल रूप से मैनुअल और मैकेनिकल रगड़ तकनीक का उपयोग किया जाता है।

✧ रंग

हल्दी पाउडर का रंग बहुत मायने रखता है। चूंकि हल्दी पाउडर की कीमत उत्पाद के रंग पर आधारित होती है।

✧ पिसाई

इसके बाद पॉलिश की हुई हल्दी फिंगर्स को पीस लिया जाता है। हल्दी पाउडर को खपत और पुनर्विक्रय के लिए तैयार करने के लिए पीसना सबसे आम कार्यों में से एक है। विशेष मसाला पीसने का मुख्य उद्देश्य स्वाद और रंग के मामले में अच्छी उत्पाद गुणवत्ता के साथ छोटे कण आकार प्राप्त करना है। इस प्रक्रिया के लिए विभिन्न पीसने वाली मिलें और विधियाँ उपलब्ध हैं; जैसे हैमर मिल, एट्रिशन मिल और पिन मिल। भारत में, पारंपरिक रूप से प्लेट मिल और हैमर मिल का उपयोग हल्दी पीसने के लिए किया जाता है।

✧ छानना

पिसे हुए मसालों को छलनी के माध्यम से आकार में छांटा जाता है, और बड़े कणों को आगे भी पिसा जा सकता है। आमतौर पर उपयोग की जाने वाली स्क्रीन 60 - 80 जाल आकार की होती हैं।

✧ पैकेजिंग और भंडारण

हल्दी को एयर-टाइट पेपर बैग में पैक किया जाता है, जिसके अंदर पॉलीथीन की परत चढ़ी होती है। इसके अलावा, उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए, इसे सूखे भंडारण में और प्रकाश से दूर रखा जाता है। ताकि हल्दी में मौजूद नमी की उचित मात्रा नष्ट न हो जाए।

8. उत्पादन योजना -

1.	हल्दी पाउडर का उत्पादन चक्र (दिनों में)	8-10 दिन
2.	प्रति चक्र आवश्यक मानव शक्ति(सं.)	सभी देवियाँ
3.	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
4.	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
5.	प्रति माह आवश्यक मात्रा (किग्रा)	1500
8.	प्रति माह अपेक्षित उत्पादन (किग्रा)	1500

कच्चे माल और अपेक्षित उत्पादन की मांग

क्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा (लगभग)	मात्राप्रति किलोग्राम (रुपये)	कुल राशि	अपेक्षित उत्पादन प्रति माह (किग्रा)
1	कच्ची हल्दी	किलो ग्राम	महीने	1500	50	75,000	1500

9. बिक्री & विपणन -

1	संभावित बाजार स्थान	भवरना, डरोह और पालमपुर
2	इकाई से दूरी	15 किमी, 10 किमी और 28 किमी
3	उत्पादन बाजार स्थान/स्थानों की मांग	दैनिक मांग
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार में मांग के अनुसार खुदरा विक्रेता या थोक विक्रेता की सूची का चयन करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति	SHG के सदस्य सीधे अपने उत्पाद को गाँव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। खुदरा विक्रेता द्वारा भी, निकट बाजारों के थोक व्यापारी द्वारा। शुरुआत में उत्पाद 5,1 और 0.5 किलोग्राम की पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद "नारा"	"चोपटी महादेव ऑर्गेनिक हल्दी"

10. स्वोट अनालिसिस-

- ताकत-
  - कच्चा माल आसानी से उपलब्ध।
  - निर्माण प्रक्रिया सरल है।
  - उचित पैकिंग और परिवहन के लिए आसान।
  - उत्पाद की शेल्फ लाइफ लंबी है।
  - घर का बना, कम कीमत।
- कमज़ोरी-
  - निर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
  - अत्यधिक श्रम गहन कार्य।
  - अन्य पुराने और प्रसिद्ध उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा करें।
- अवसर-
  - सौंदर्य उत्पादों को बनाने के लिए सौंदर्य ब्रांडों द्वारा दुकानों, फास्ट फूड स्टालों, खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं, कैंटीन, रेस्तरां, रसोइयों और रसोइयों, गृहिणियों में उच्च मांग और दवा कंपनियों द्वारा भी।
  - बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार के अवसर हैं।
  - दैनिक खपत।
- खतरे/जोखिम-
  - विशेष रूप से सर्दी और बरसात के मौसम में निर्माण और पैकेजिंग के समय तापमान, नमी का प्रभाव।
  - कच्चे माल की कीमत में अचानक से बढ़ोत्तरी।
  - प्रतिस्पर्धी बाजार।

11. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण-

- आपसी सहमति से SHG समूह के सदस्य कार्य करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमताओं के अनुसार कार्य का बंटवारा किया जाएगा।
- कुछ समूह सदस्य प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया में शामिल होंगे (यानी - कच्चे माल की खरीद आदि)।
- समूह के कुछ सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।

- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

12. अर्थशास्त्र का विवरण -

क. पूंजीगत लागत				
क्र.सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रु)
1	हल्दी के बीज	200 किग्रा	100	10,000
2	चक्की मशीन	1	30,000	30,000
3	भंडारण टैंक	1	10,000	10,000
4	तोलनयंत्र	1	8,000	8,000
5	रसोईघर के उपकरण		LS	10,000
6	तैयार उत्पाद भंडारण अलमारी/रैक	2	5,000	10,000
7	हाथ से चलने वाली पैकिंग मशीन	2	10,000	10,000
8	एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के हाथ के दस्ताने आदि		LS	5000
कुल पूंजी लागत (ए) =			**1,13,000**	

बी आवर्ती लागत					
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	कच्चा माल	महीना	1500	50	75,000
2	कमरे का किराया	महीना	1	1000	1000
3	पैकेजिंग सामग्री	महीना	LS	2000	2000
4	यातायात	महीना	1	1000	1000
5	अन्य (स्थिर, बिजली, पानी का बिल, मशीन की मरम्मत)	महीना	1	1500	1500
कुल आवर्ती लागत (बी) =80,500					

एसएचजी : चौपाटी महादेव **वीएफडीएस** : चौपाटी महादेव (भोडा खास) **वन रेंज:** डरोह **वन मण्डल** : पालमपुर।

C. उत्पादन की लागत		
क्र.सं.	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	80,500
2	पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	11,300
कुल =91,800		

D. विक्रय मूल्य की गणना			
क्र.सं.	विवरण	इकाई	मात्रा
1	बनाने की किमत	किलोग्राम	80
2	वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	250-300
3	अनुमानित बिक्री मूल्य	किलोग्राम	200

13. आय और व्यय का विश्लेषण (प्रति माह) -

क्र.सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	11,300
2	कुल आवर्ती लागत	80,500
3	कुल उत्पादन (किग्रा)	1500
4	विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)	200
5	आय पीढ़ी(200*1500)	3,00,000
6	शुद्ध लाभ(300000 - 80500)	2,19,500
7	शुद्ध लाभ का वितरण	✧ लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग IGA में आगे के निवेश के लिए किया जाएगा

14. फंड की आवश्यकता -

क्र.सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजीगत लागत	113,000	84,750	28,250
2	कुल आवर्ती लागत	80,500	0	80,500
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	50,000	50,000	0
कुल		243,500	134,750	108,750

15. कोष के स्रोत -

परियोजना का समर्थन	✧ पूंजीगत लागत का 50% यदि समूह सामान्य श्रेणी से संबंधित है और 75% यदि अन्य श्रेणी से संबंधित है तो परियोजना द्वारा प्रदान किया जाएगा। ✧ एसएचजी बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी डीएमयू द्वारा सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्ष के लिए होगी। SHG को नियमित आधार पर मूल राशि की किश्तों का भुगतान करना होता है।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों/उपकरणों की खरीद की जाएगी।
एसएचजी योगदान	✧ पूंजीगत लागत का 50% SHG द्वारा वहन किया जाएगा यदि सामान्य श्रेणी से संबंधित है और यदि अन्य श्रेणी से है तो 25%। लेकिन सदस्य निम्न आय वर्ग के हैं और वे 25% योगदान दे सकते हैं और परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी.	

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन की लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

17. सम-विच्छेद बिंदु की गणना -

= पूंजीगत व्यय/(बिक्री मूल्य (प्रति किग्रा)-उत्पादन लागत (प्रति किग्रा))

=1,13,000/ (200-80)

=942 किग्रा

इस प्रक्रिया में 942 किलो पाउडर बेचने के बाद ब्रेक-ईवन हासिल किया जाएगा।

18. बैंक ऋण चुकौती-

- ✧ यदि बैंक से ऋण लिया जाता है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए चुकौती अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।
- ✧ सीसीएल में, स्वयं सहायता समूह के बकाया मूल ऋण का भुगतान बैंकों को वर्ष में एक बार अवश्य किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- ✧ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।
- ✧ परियोजना सहायता - डीएमयू द्वारा 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्ष के लिए होगी। SHG/CIG को नियमित आधार पर मूल राशि की किश्तों का भुगतान करना होता है।

19. निगरानी विधि-

- VFDS की सामाजिक लेखापरीक्षा समिति IGA की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और अनुमान के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- SHG को प्रत्येक सदस्य के IGA की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और अनुमान के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय पीढ़ी
- उत्पाद की गुणवत्ता

20. टिप्पणियां

सदस्य निम्न आय वर्ग के हैं और वे केवल 25% योगदान कर सकते हैं और परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा। भविष्य में, समूह अन्य मसाला पाउडर बनाएगा जो उसी प्रक्रिया का पालन करता है और उसी मशीनरी की आवश्यकता होती है।

21. समूह सदस्य तस्वीरें:

उर्मिला देवी

आशा कुमारी

सुभद्रा

इन्दिरा

मीणा

अंजू देवी

बीना देवी

नीलम

रीतिका

पवना देवी

रक्षा कुमारी

उमा देवी

चंचला देवी

सुरिन्द्र

मधु

मीना

सुदर्शना

शिक्षा

पूर्णिमा

वीणा देवी

एसएचजी : चौपाटी महादेव **वीएफडीएस** : चौपाटी महादेव (भोडा खास) **वन रेंज:** डरोह **वन मण्डल** : पालमपुर।

22. समूह तस्वीरें:

एसएचजी : चौपाटी महादेव **वीएफडीएस** : चौपाटी महादेव (भोडा खास) **वन रेंज:** डरोह **वन मण्डल** : पालमपुर।

23. संकल्प-सह समूह सहमति प्रपत्र

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group Vaishnavi held on 19.12.2022 at Bhoda that our group will undertake the Cutting + Tailoring as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

Signature Of group President

Neha kumari
Signature Of group secretary

Signature of President VEDS

एसएचजी : चौपाटी महादेव **वीएफडीएस** : चौपाटी महादेव (भोडा खास) **वन रेंज:** डरोह **वन मण्डल** : पालमपुर।

24. VFDS और DMU द्वारा व्यावसायिक स्वीकृति

Business Plan Approval by VFDS and DMU.

Vaishnavi Group will undertake the Cutting + Tailoring as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).In this regard business Plan of Amount Rs. 193300 has been submitted by the group on 19.12.2022 and the Business Plan has been approved by VFDS Chopati Mahadev (Bhoda)

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You.

Signature Of group President

प्रधान
वैष्णवी स्वयं सहायता समूह
ग्राम पंचायत भौडा, गाव साई
डा. सुलह मेडू महादेव (कांगड़ा) हि.प्र

Neha kumari
Signature Of group secretary

प्रधान
वैष्णवी स्वयं सहायता समूह
ग्राम पंचायत भौडा, गाव साई
डा. सुलह मेडू महादेव (कांगड़ा) हि.प्र

Shiksha
Signature of President VFDS

ग्राम पंचायत भोडा खास
तहसील पालमपुर
जिला कांगड़ा हि० प्र०

Approved

DMU cum DFO Palampur

DPMU-CUM-DFO
Palampur (H.P.)